SURAH BAQARAH LAST 2 AYAT

آمَنَ الرَّسُولُ بِمَا أُنزِلَ إِلَيْهِ مِن رَّبِّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ ۚ كُلٌّ آمَنَ
بِاللَّهِ وَمَلَائِكَتِهِ وَكُتُبِهِ وَرُسُلِهِ لَا نُفَرِّقُ بَيْنَ أَحَدٍ مِّن رُّسُلِهِ ۚ وَقَالُوا
سَمِعْنَا وَأَطَعْنَا ۖ غُفْرَانَكَ رَبَّنَا وَإِلَيْكَ الْمَصِيرُ
لَا يُكَلِّفُ اللَّهُ نَفْسًا إِلَّا وُسْعَهَا ۚ لَهَا مَا كَسَبَتْ وَعَلَيْهَا مَا
اكْتَسَبَتْ ۗ رَبَّنَا لَا تُؤَاخِذْنَا إِن نَّسِينَا أَوْ أَخْطَأْنَا ۚ رَبَّنَا وَلَا تَحْمِلْ
عَلَيْنَا إِصْرًا كَمَا حَمَلْتَهُ عَلَى الَّذِينَ مِن قَبْلِنَا ۚ رَبَّنَا وَلَا تُحَمِّلْنَا مَا
لَا طَاقَةَ لَنَا بِهِ ۖ وَاعْفُ عَنَّا وَاغْفِرْ لَنَا وَارْحَمْنَا ۚ أَنتَ مَوْلَانَا
فَانصُرْنَا عَلَى الْقَوْمِ الْكَافِرِينَ

HINDI TRANSLATION:

रसूल उस पर ईमान लाया जो उसके रब की ओर से उस पर उतारा गया, और मोमिन भी। सब अल्लाह पर, उसके फ़रिश्तों पर, उसकी किताबों पर और उसके रसूलों पर ईमान लाए। हम उसके रसूलों में से किसी के बीच कोई भेद नहीं करते। और उन्होंने ,कहा, "हमने सुना और आज्ञा का पालन किया। हे हमारे रब! हम तेरी क्षमा चाहते हैं "और तेरी ही ओर लौटकर जाना है।

अल्लाह किसी प्राणी पर उसकी सामर्थ्य से अधिक बोझ नहीं डालता। उसने जो भलाई कमाई, वह उसी के लिए है; और उसने जो बुराई की, उसका भार भी उसी पर !है। "हे हमारे रब! यदि हम भूल जाएँ या गलती कर बैठें, तो हमें न पकड़। हे हमारे रब हम पर वह बोझ न डाल, जैसा तूने हमसे पहले लोगों पर डाला था। हे हमारे रब! हम पर वह ज़िम्मेदारी न डाल, जिसे उठाने की शक्ति हम में नहीं। और हमें क्षमा कर, हमें बख़्श दे, और हम पर दया कर। तू ही हमारा संरक्षक है; अतः काफ़िरों के मुक़ाबले में "हमारी सहायता कर।